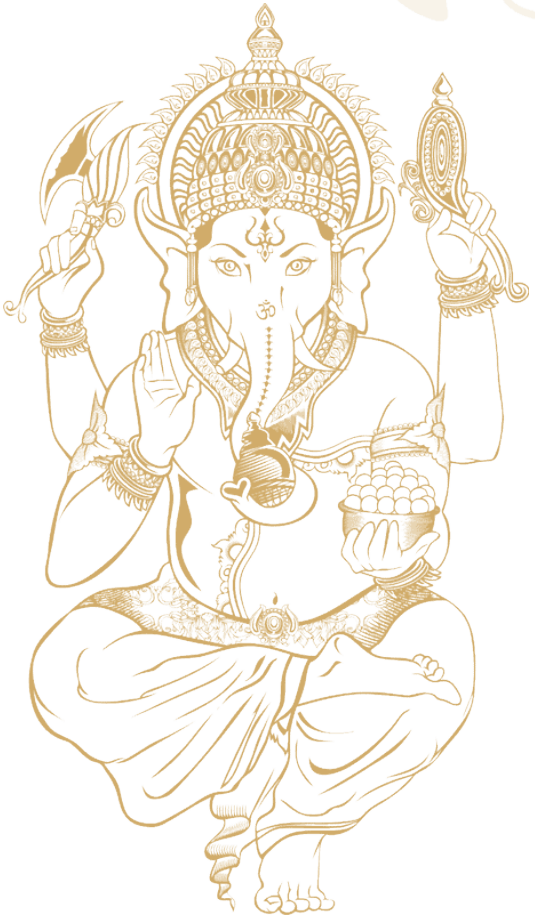

Vineeta Puri

28 Jan 1986

06:10 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121788106

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**28/01/1986**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**18:10:00 घंटे**
इष्ट	27:25:35 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:48:52 घंटे
वेलान्तर	-00:12:56 घंटे
साम्पातिक काल	02:18:48 घंटे
सूर्योदय	07:11:46 घंटे
सूर्यास्त	17:56:35 घंटे
दिनमान	10:44:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	14:38:17 मकर
लग्न के अंश	18:18:58 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शोभन
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मो-मोहिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	18:18:58	307:20:50	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
सूर्य			मक	14:38:17	01:00:57	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	15:09:24	13:26:12	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	03:31:40	00:35:42	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	स्वराशि
बुध		अ	मक	12:11:38	01:41:22	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
गुरु			कुंभ	00:48:44	00:14:07	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
शुक्र		अ	मक	16:45:41	01:15:21	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	मित्र राशि
शनि			वृश्चि	14:01:47	00:04:37	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	10:14:07	00:09:36	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	10:14:07	00:09:36	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष			वृश्चि	27:17:38	00:02:46	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
नेप			धनु	10:54:39	00:01:58	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	13:39:49	00:00:25	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			मेष	13:22:58	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:37

लग्न-चलित

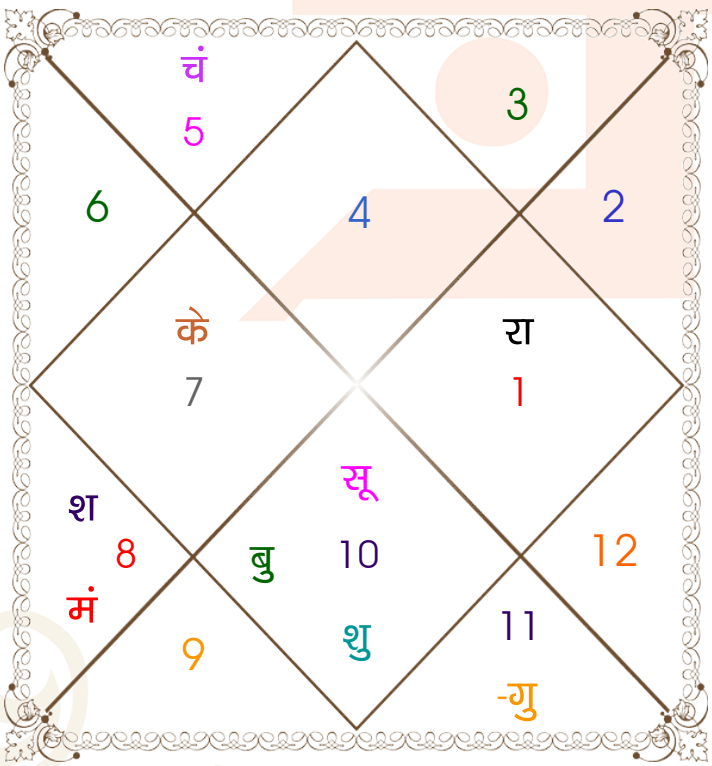

चन्द्र कुंडली

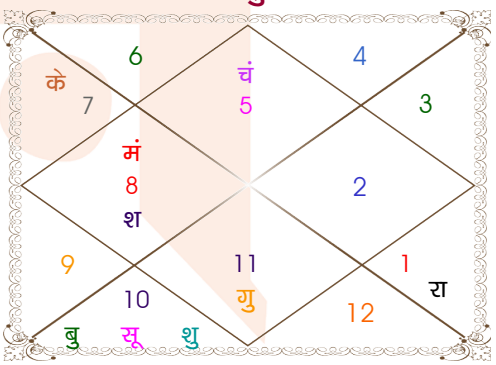

नवमांश कुंडली

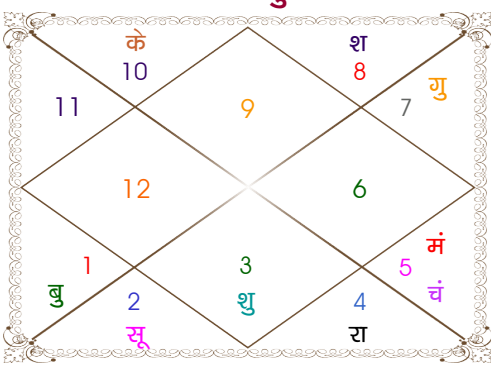

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 17 वर्ष 3 मास 5 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
28/01/1986		05/05/2003		05/05/2009		05/05/2019		05/05/2026	
05/05/2003		05/05/2009		05/05/2019		05/05/2026		05/05/2044	
शुक्र	04/09/1986	सूर्य	23/08/2003	चंद्र	05/03/2010	मंगल	01/10/2019	राहु	15/01/2029
सूर्य	04/09/1987	चंद्र	21/02/2004	मंगल	04/10/2010	राहु	19/10/2020	गुरु	11/06/2031
चंद्र	05/05/1989	मंगल	28/06/2004	राहु	04/04/2012	गुरु	25/09/2021	शनि	17/04/2034
मंगल	05/07/1990	राहु	23/05/2005	गुरु	04/08/2013	शनि	04/11/2022	बुध	03/11/2036
राहु	05/07/1993	गुरु	11/03/2006	शनि	05/03/2015	बुध	01/11/2023	केतु	22/11/2037
गुरु	05/03/1996	शनि	21/02/2007	बुध	04/08/2016	केतु	29/03/2024	शुक्र	21/11/2040
शनि	05/05/1999	बुध	29/12/2007	केतु	05/03/2017	शुक्र	29/05/2025	सूर्य	16/10/2041
बुध	05/03/2002	केतु	05/05/2008	शुक्र	04/11/2018	सूर्य	04/10/2025	चंद्र	17/04/2043
केतु	05/05/2003	शुक्र	05/05/2009	सूर्य	05/05/2019	चंद्र	05/05/2026	मंगल	05/05/2044

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/05/2044		05/05/2060		05/05/2079		05/05/2096		06/05/2103	
05/05/2060		05/05/2079		05/05/2096		06/05/2103		00/00/0000	
गुरु	23/06/2046	शनि	08/05/2063	बुध	01/10/2081	केतु	01/10/2096	शुक्र	29/01/2106
शनि	03/01/2049	बुध	15/01/2066	केतु	28/09/2082	शुक्र	01/12/2097		00/00/0000
बुध	11/04/2051	केतु	24/02/2067	शुक्र	29/07/2085	सूर्य	08/04/2098		00/00/0000
केतु	17/03/2052	शुक्र	26/04/2070	सूर्य	04/06/2086	चंद्र	07/11/2098		00/00/0000
शुक्र	16/11/2054	सूर्य	08/04/2071	चंद्र	04/11/2087	मंगल	05/04/2099		00/00/0000
सूर्य	04/09/2055	चंद्र	06/11/2072	मंगल	31/10/2088	राहु	23/04/2100		00/00/0000
चंद्र	03/01/2057	मंगल	16/12/2073	राहु	20/05/2091	गुरु	30/03/2101		00/00/0000
मंगल	10/12/2057	राहु	22/10/2076	गुरु	25/08/2093	शनि	09/05/2102		00/00/0000
राहु	05/05/2060	गुरु	05/05/2079	शनि	05/05/2096	बुध	06/05/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 17 वर्ष 3 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगी।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगी। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकती हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगी।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकती हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करती हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाती हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहती परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकती हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकती हैं। आप गले

के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकती है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।